# 4
## उत्पादकता

4.1 उत्पादकता दक्षता की ऐसी माप है जिसके द्वारा मानव तथा सामग्री दोनों ही साधनों को सामग्रियों एवं सेवाओं के रूप में बदला जाता है ।

- आर्थिक कार्यकलाप की समस्त शाखाओं में उच्चतर उत्पादकता एवं अधिकाधिक उत्पादन एवं अधिकाधिक उत्पादन से आर्थिक उन्नति की रफ्तार तेज की जा सकती है। भूमि ण्वं पूंजी के अतिरिक्त चूंकि मानव संसाधन एक महत्वपूर्ण कारक (इनपुट) है अतः उसकी समग्र उत्पादकता किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास का निर्धारण करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है ।
- मानव के कौशल स्तर के अतिरिक्त कच्चे माल की गुणवत्ता एवं लगाई गई प्रौद्योगिकी भी उत्पादक मानव संसाधन के लिए जिम्मेदार है ।

4.2 1995 के दौरान 1988 =100 आधार पर तालिका 4.1 पर उल्लिखित एशियाई देशों के उत्पादकता सूचकांक की तुलना से पता चलता है कि मलेशिया में उत्पादकता विकास की दर सर्वाधिक रही और उसके बाद कोरिया गणराज्य ,सिंगापुर, चीन गणतंत्र, भारत आदि का स्थान रहा । 18 एशियाई देशों में, जिनके लिए अध्ययन किए गए हैं, भारत का स्थान 5वां रहा । यह भी उल्लेखनीय है कि चीन गणराज्य, हांगकांग, इंडोनेशिया, कोरिया गणराज्य, मलेशिया, नेपाल, पाकिस्तान और थाइलैंड के उत्पादकता सूचकांकों में लगातार सुधार का रूझान रहा है । भारत के उत्पादकता सूचकांकों में भी वृद्धि का रूझान दर्ज किया गया । एशियाई देशों में श्रम उत्पादकता सूचकांकों का तुलनात्मक विवरण तालिका 4.1 में दिया गया है।

4.3 भारत में सफल घरेलू उत्पाद प्रति नियोजित व्यक्ति के रूप में मापी गयी श्रम उत्पादकता वृद्धि 1996 के दौरान 6.84 प्रतिशत से लेकर 2000 में 3.12 प्रतिशत तक आंकी गयी है, जो देश में श्रम उत्पादकता के पूर्ण सुधार को दर्शाता है । भारत में श्रम उत्पादकता वृद्धि 1998 और 2001 के दौरान क्रमशः 5.37 प्रतिशत और 4.21 प्रतिशत थी जो कि एशिया में स्थित अन्य सभी देशों से बेहतर है । तथापि, कुछेक एशियाई देशों में उत्पादकता वृद्धि भारत से अधिक है ।

4.4 एशियाई देशों में श्रम उत्पादकता वृद्धि का तुलनात्मक विवरण तालिका 4.2 में दर्शाया गया है।

4.5 तल चिन्हित देशों जैसे कि आस्ट्रेलिया, जर्मनी, इंग्लैंड और अमेरिका की तुलनात्मक स्थिति के मुकाबले वर्ष 1995 में 2001 के दौरान भारत में श्रम उत्पादकता वृद्धि में काफी सुधार आया है जो कि वैधिकरण के इन वर्षों में उच्च श्रम उत्पादकता के माध्यम से भारतीय अर्थव्यवस्था में आए सुधारोन्मुख बदलाव को दर्शाता है जिसका विवरण तालिका 4.3 में दर्शाया गया है ।

### श्रम उत्पादकता

4.6 सकल घरेलू उत्पाद (क्रय शक्ति के अनुरूप) श्रम उत्पादक्ता माप प्रति नियोजित व्यक्ति एवं पूर्ण उत्पादकता-वास्तविक वृद्धि अर्थात् एशियाई देशों में प्रति नियोजित व्यक्ति द्वारा वास्तविक रूप में सकल घरेलू उत्पाद में प्रतिशत बदलाव और वर्ल्ड कम्पटीटिवनेश ईयर बुक, 2004 में वर्ष 2003 के दौरान चिन्हित देशों संबंधी विवरण तालिका 4.4 पर दी गई है ।

4.7 इस तरह की तुलना से यह ज्ञात होता है कि वर्ष 2003 के दौरान हमारे देश में उत्पादन अन्य एशियाई देशों की तुलना में निम्नतम अर्थात 3.049 यू.एस. डालर रहा। एशियाई देशों में जापान की श्रम उत्पादकता सबसे अधिक 29.878 यू.एस.डालर रही जिसके बाद हांग कांग (24.383 यू.एस.डालर) एवं सिंगापुर (24.205 यू.एस.डालर) रिपोर्ट की गई । अन्य देश जिनकी श्रम उत्पादकता भारत के सन्निकट है वे हैं इंडोनेशिया (3.642 यू.एस.डालर) चीन (4.387 यू.एस.डालर) एवं फिलीपींस (4.804 यू.एस.डालर) ।

4.8 चार चिन्हित राष्ट्रों अर्थात, इंगलैंड में 30.927 यू.एस.डालर, आस्ट्रेलिया में 34.15 यू.एस.डालर, जर्मनी में 34.886 यू.एस. डालर ओर

संयूक्त राष्ट्र अमरीका में 40.717 यू.एस.डालर की उच्चत्तर श्रम उत्पादकता रिकार्ड की गई है ।

4.9 उपरोक्त तालिका को देखने से यह पता चलता है कि वर्ष 2003 में भारत की कुल उत्पादकता का आकलन "प्रति नियोजित व्यक्ति वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में प्रतिशत बदलाव" के रूप में किया गया है, तथापि इसे 5.41 प्रतिशत पाया गया, जो कि चार चिन्हित देशों के साथ-साथ चीन को छोड़कर अन्य सभी एशियाई देशों से अधिक है ।

4.10 विश्व रोजगार रिपोर्ट, 2004-2005 के अनुसार विश्व श्रम संगठन की श्रम उत्पादकता अन्य देशों की श्रम उत्पादकता में विभिनाताओं के मद्देनजर अन्य विभिन्न देशों से तुलना करते वक्त ध्यान में रखने की आवश्यकता है, जिसे निम्नवत् बताया गया है:-

"विभिन्न देशों में श्रम की उत्पादकता में काफी भिन्नताएँ देखने को मिलती है जिसके कई एक कारण हैं, जिसमें से अधिकांश संबंद्धित देशों के आर्थिक विकास के स्तर से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में जुड़े हैं । यह भी ध्यान देने योग्य तथ्य है कि श्रम उत्पादन के स्तर में भिन्नताओं में कठिन परिश्रम करने वालों के कार्य में भिन्नता होने से कोई विशेष अंतर नहीं पड़ता-बल्कि ये आम तौर पर कार्य-दशाओं में अंतर को इंगित करते हैं । किसी विकासशील अर्थव्यवस्था में कोई साधारण कामगार अधिक घंटे तक, खराब शारीरिक दशा में लगातार, कार्य कर सकता है, लेकिन श्रम की उत्पाादकता में कमी जरूर रहेगी और उसकी आय कम होगी, क्योंकि उसका/उसकी पहुँच तकनीक, शिक्षा एवं उत्पादकता में वृद्धि के लिए आवश्यक कारकों तक नहीं होगी । ठीक उसी प्रकार, एक कामगार विकसित अर्थव्यवस्था में अपेक्षानुसार कम घंटे कार्य करते हुए और अधिक श्रम उत्पादकता के स्तर को प्राप्त कर सकता है ।

श्रम की उत्पादकता में वृद्धि हेतु उपाय

4.11 श्रम की उत्पादकता में वृद्धि यदपि, एक स्वतः होने वाली प्रक्रिया नहीं है । मुक्त व्यापार एवं उदारीकरण के अंतर्गत आने वाले देशों में एक विकासशील देशों को कतिपय स्तर की मानव पूँजी तकनीकी एवं औद्योगिक क्षमताओं की आवश्यकता उच्च श्रम उत्पादकता के लाभों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक होती है । रोजगार चाहने वालों को बढ़ते रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए, जबकि अंतिम उत्पाद को वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा के अनुरूप बनाया जाना है, व्यावसायिक प्रशिक्षण सुविधाओं हेतु पर्याप्त निवेश किए जाने की भी आवश्यकता है ।

4.12 देशभर में श्रम उत्पादकता में वृद्धि के लिए मुख्यत : पूर्ण रूपेण कौशल विकास एवं कौशल के स्तरोन्नयन पर विशेष बल दिया गया है जिसे निम्नवत् पूरा किया जा रहा है :-

- 500 आई टी आई को उत्कृष्टता प्रशिक्षण केन्द्रों के रूप में विकसित करना
- स्कूल के पदाधिकारियों के लिए योजनाएँ
- कौशल-उन्नयन के लिए औद्योगिक कामगारों को प्रशिक्षण
- औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप पाठ्यक्रमों को समायोजित एवं प्रारंभ करना
- सूचना प्रौद्योगिकी पर पाठ्यक्रम शुरू करना
- औद्योगिक सहलग्नता संस्थान
- पूर्वात्तर राज्यों एवं सिक्किम में आई टी आई का स्तरोन्नयन

राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद्

4.13 राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद् एक स्वायत्त शासी निकाय है तथा इसका वित्त पोषण भारत सरकार द्वारा किया जाता है :-

- इसका उद्देश्य उत्पादकाता में ज्ञान और अनुभवों का प्रचार करना, उत्पादकता के प्रति जागरूकता बढ़ना तथा उसमें सुधार करना, अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन को सुदृढ़ तथा प्रतिस्पर्धा बनाना तथा श्रमिक के जीवन की दशाओं एवं गुणवत्ता में सुधार करना है ।

- इसक संचालन क्षेत्रीय निदेशालयों एवं क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से होता है ।

- भारत सरकार के मंत्रालयों तथा नियोक्ता एवं कर्मकार संगठनों के प्रतिनिधि परिषद के सदस्य हैं ।
- यह प्रबंधन सेवाओं औद्योगिकों प्रशिक्षण तथा मानव विकास के क्षेत्रों के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है तथा औपचारिक एवं अनौपचारिक दोनों ही क्षेत्रों में परामर्श सेवाएं भी प्रदान करता है ।
- इसमें उक्ष्यादकता में सराहनीय योगदान देने वाले उपक्रमों को मान्यता देने के उद्देश्य से चयनित उद्योग समूहों के लिए राष्ट्रीय उत्पादकता पुरस्कार शुरू किए गए हैं, और
- वाह्य उपक्रमों को अपने उत्पादकता में वृद्धि के लिए प्रोत्साहन देना है ।

प्रधान मंत्री के श्रम पुरस्कार

4.14 उत्पादन तथा उत्पादकता, प्रौद्योगिकीय नवाचरण, लागत में वचत करने, आयात के विकल्प लाने, विदेशी मुद्रा में बचत के प्रति उत्कृष्ट योगदान को मान्यता प्रदान करने तथा कर्तव्यों के निर्वाचन में अनुपम जोश और उत्साह का प्रदर्शन करने के लिए श्रम मंत्रालय, केन्द्रीय/राज्य सरकारों के विभागीय/सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के नियोजित कर्मकारों, (औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 में यथा परिभाषित) के लिए प्रधानमंत्री के श्रम पुरस्कार नामक योजना का संचालन करता है । केवल वही कामनाएं एस पुरस्कार के पात्र है जो विनिर्माण तथा उत्पादकता प्रक्रियाओं में लगे हैं और जिनका निष्पादन मूल्यांकन करने योग्य है । प्रत्येक वर्ष स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर इन पुरस्कारों को घोषणा की जाती है । के अनुसार ये पुरस्कारों हैं : श्रम रत्न, श्रम भूषण, श्रम वीर और श्रम श्री/श्रम देवी । एक वर्ष में नकद पुरस्कार की राशि और पुरस्कारों की संख्या निम्नवत् हैं :

4.15 नगद पुरस्कार के अलावा पुरस्कार विजेता प्रधान मंत्री से एक सनद भी प्राप्त करते है।

4.16 माननीय प्रधान मंत्री ने 4 अक्टूबर, 2004 को वर्ष 2002 और 2003 के लिए 4 महिलाओं सहित 73 कर्मचारी को प्रधान मंत्री के श्रम पुरस्कार वितरित किए । वर्ष 2004 के प्रधान मंत्री श्रम पुरस्कार वितरण के लिए तैयारी चल रही है।

तालिका 4.1

एशियाई देशों में श्रम उत्पादकता सूचकांकों के तुलनात्मक आंकड़े

| देश/वर्ष | 1988 | 1989 | 1990 | 1991 | 1992 | 1993 | 1994 | 1995 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चीन गणराज्य | 100 | 106.25 | 111.65 | 117.86 | 123.03 | 129.10 | 134.55 | 141.04 |
| फिजी | 100 | 99.19 | 101.77 | 99.50 | 101.54 | 101.39 | 104.83 | -- |
| हागकांग | 100 | 102.93 | 106.83 | 110.60 | 117.96 | 121.63 | 123.82 | 127.30 |
| भारत | 100 | 110.97 | 114.89 | 116.27 | 113.59 | 118.19 | 119.55 | 124.70 |
| इंडोनेशिया | 100 | 107.40 | 113.08 | 121.89 | 127.02 | 134.78 | 143.31 | .. |
| ईरान गणराज्य | 100 | 99.71 | 108.09 | 115.78 | 117.92 | 119.09 | 116.53 | 117.14 |
| जापान | 100 | 105.49 | 109.25 | 111.28 | 111.34 | 110.39 | 111.30 | 113.00 |
| कोरिया गणराज्य | 100 | 102.19 | 108.37 | 115.25 | 118.84 | 123.33 | 130.37 | 138.34 |
| मलेशिया | 100 | 105.39 | 110.53 | 116.45 | 121.90 | 126.72 | 134.39 | 143.30 |
| नेपाल | 100 | 104.65 | 108.99 | 115.15 | 119.59 | 122.60 | 131.31 | 134.10 |
| पाकिस्तान | 100 | 101.45 | 103.10 | 112.48 | 116.38 | 115.09 | 116.73 | 118.88 |
| फिलीपिंस | 100 | 104.48 | 104.41 | 101.77 | 98.11 | 98.04 | 99.43 | 102.19 |
| सिंगापुर | 100 | 104.84 | 107.16 | 111.79 | 114.84 | 125.55 | 133.52 | 140.93 |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| थाइलैंड | 100 | 110.85 | 112.16 | 130.01 | 135.73 | 143.14 | 160.45 | |

**स्त्रोतः उत्पादकता संबंधी आंकड़े, एशिया उत्पादकता संगठन, जापान**

**आधार : 1988 =100**

**तालिका 4.2**

| श्रम उत्पादकता वृद्धि (प्रतिशत) (प्रति नियोजित व्यक्ति वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि) | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्र.सं. | देश/वर्ष | 1995 | 1996 | 1997 | 1998 | 1999 | 2000 | 2001 |
| 1. | बंगलादेश | 0.71 | -0.15 | 3.15 | 1.74 | 1.18 | 3.17 | 1.63 |
| 2. | चीन गणराज्य | 2.74 | 7.49 | 5.64 | 4.40 | 5.35 | 4.57 | 1.97 |
| 3. | फिजी | 0.63 | -1.13 | -3.40 | 1.84 | 8.02 | -0.91 | एन. ए |
| 4. | भारत | 6.42 | 6.84 | 3.74 | 5.37 | 4.90 | 3.12 | 4.21 |
| 5. | इरान | 1.39 | 3.01 | 2.42 | 3.06 | -0.34 | 2.32 | 2.31 |
| 6. | जापान | 1.79 | 3.00 | 0.79 | -0.47 | 0.95 | 2.93 | 0.89 |
| 7. | कोरिया गणराज्य | 6.55 | 4.70 | 4.43 | 1.15 | 9.07 | 2.80 | 3.39 |
| 8. | मलेशिया | 6.62 | 5.70 | 5.60 | -1.79 | 3.86 | 6.10 | 0.29 |
| 9. | मंगोलिया | 4.62 | 4.73 | 3.94 | 0.92 | 3.35 | 5.33 | -3.24 |
| 10. | नेपाल | 2.94 | 1.62 | -0.18 | 0.37 | 1.53 | 0.59 | -1.12 |
| 11. | पाकिस्तान | 4.67 | 4.05 | -4.21 | -1.54 | 1.86 | 5.24 | 0.09 |
| 12. | फिलीपिन्स | 2.05 | 0.42 | 2.72 | -1.29 | -0.49 | 10.28 | -2.80 |
| 13. | सिंगापुर | 4.69 | 0.35 | 4.99 | -2.94 | 5.51 | -1.51 | -0.37 |
| 14. | श्रीलंका | 3.96 | 0.35 | 4.99 | -2.18 | 2.99 | 2.20 | -0.37 |
| 15. | वियतनाम | 7.13 | 6.98 | 5.85 | 3.54 | 2.61 | 4.67 | 4.13 |

**स्त्रोत :- ए.पी.ओ- एशिया पैसिफिक प्रोडक्टिविटी डॉटा एण्ड एनालिसिस 2003, टोक्यो, जापान ।**

**तालिका 4.3**

**तल चिन्हित देशों**

| क्र. सं. | देश | 1995 | 1996 | 1997 | 1998 | 1999 | 2000 | 2001 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | आस्ट्रेलिया | 0.00 | 2.65 | 2.62 | 3.34 | 2.16 | 0.01 | 1.77 |
| 2. | जर्मनी | 1.80 | 0.95 | 1.90 | -2.93 | 0.77 | 1.30 | -0.07 |
| 3. | इंग्लैंड (यू.के.) | 1.16 | 1.47 | 1.55 | 1.78 | 1.19 | 1.67 | 1.83 |
| 4. | अमेरिका (यू.स्टेट) | 1.16 | 2.09 | 2.14 | 2.77 | 2.53 | 2.43 | -0.28 |

**स्त्रोत :- ए.पी.ओ- एशिया पैसिफिक प्रोडक्टिविटी डॉटा एण्ड एनालिसिस 2003, टोक्यो, जापान ।**

## श्रम उत्पादकता एशियाई देश, 2003

तालिका 4.4

| देश का नाम | सकल घरेलू उत्पाद (प्रतिव्यक्ति क्रय शक्ति) प्रति घंटे प्रति नियोजित व्यक्ति (यू.एस.डालर में ) | वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में प्रति नियोजित व्यक्ति प्रतिशत बदलावा |
|---|---|---|
| 1. चीन - | 4.387 | 8.086 |
| 2. हांग कांग | 24.383 | 3.600 |
| 3. भारत | 3.049 | 5.409 |
| 4. इंडोनेशिया | 3.642 | 3.697 |
| 5.जापान | 29.878 | 2.897 |
| 6. कोरिया गणराज्य | 16.562 | 3.209 |
| 7. मलेशिया | 11.582 | 2.660 |
| 8. फिलीपिंस | 4.804 | 0.281 |
| 9. सिंगापुर | 24.205 | 0.281 |
| 10. थाईलैंड | 6.240 | 4.160 |

तल चिन्हित देशों

| | | |
|---|---|---|
| 1. आस्ट्रेलिया | 34.157 | 0.533 |
| 2. जर्मनी | 34.886 | 1.010 |
| 3. इंग्लैंड (यू.के) | 30.927 | 1.438 |
| 4. अमरिका (यू.स्टेट) | 40.717 | 2.184 |

तालिका 4.5

| पुरस्कार का नाम | नकद पुरस्कार की राशि (रुपए में) | पुरस्कारों की संख्या |
|---|---|---|
| श्रम रत्न | 2,00,000,00 | 01 |
| श्रम भूषण | 1,00,000,00 | 04 |
| श्रम वीर/श्रम वीरांगणा | 60,000,00 | 12 |
| श्रम श्री/श्रम देवी | 40,000,00 | 16 |

******